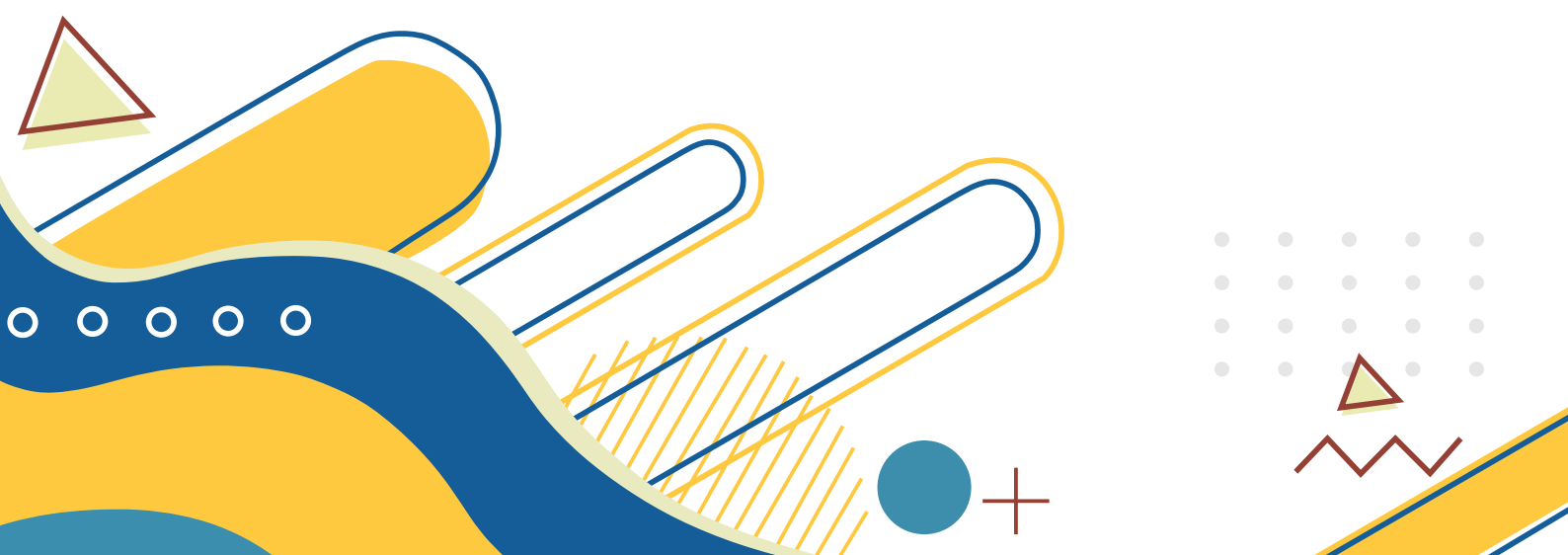


**मो.दे.रा.यो.सं.**  
**ई-न्यूज़लेटर**  
**दिसंबर 2024**





# प्रधान संपादक की कलम से

## संपादकीय टीम

### प्रधान संपादक

**डॉ. काशीनाथ समगंडी**

निदेशक, मो.दे.रा.यो.सं.

### प्रबंध संपादक

**मो. तैयब आलम**

संचार एवं प्रलेखन अधिकारी,  
और उपनिदेशक (प्रभारी)

### संपादक

**सौदामिनी सिंह**

वरिष्ठ सलाहकार (मीडिया)

**संतोष सिंह**

सलाहकार (मीडिया)

**शिवाली खारी**

सलाहकार (सोशल मीडिया)

### डिजाइन

**निहाल हसनैन**

कनिष्ठ सलाहकार (डिजाइनर)

### ताज़ा जानकारी के लिए जुड़े:

@mdniyayush

@mdniyyoga

@mdniy

@mdniyyoga

मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (मो.दे.रा.यो.सं.) एक अद्वितीय संस्थान है, जो विभिन्न पृष्ठभूमियों से आने वाले छात्रों को शैक्षणिक और आध्यात्मिक रूप से विकसित होने का अवसर प्रदान करता है। मैं दृढ़ता से मानता हूँ कि एक संस्थान केवल ईंट, गारा और कंक्रीट से नहीं बनता; बल्कि यह चरित्र निर्माण, मानसिक समृद्धियों और ऐसी अनुभूतियों से बनता है, जो जीवन पर स्थायी प्रभाव छोड़ती हैं।

मो.दे.रा.यो.सं. एक ऐसा अद्वितीय मंच है, जहाँ सीखना पारंपरिक सीमाओं से परे है। इसका उद्देश्य पुस्तकों, रटे-रटाए निर्देशों और परंपरागत दायरे से आगे बढ़ते हुए ज्ञान के प्रति एक जुनून पैदा करना है। यह दृष्टिकोण मो.दे.रा.यो.सं को समग्र शिक्षा के लिए एक प्रकाशस्तंभ बनाता है, जो योग की प्राचीन किन्तु सदैव प्रासंगिक विधा में गहराई से निहित है।

इसके अनुरूप प्रकार, बीजिंग, चीन में आयोजित विश्व पारंपरिक चिकित्सा सम्मेलन-2024 के साथ-साथ आयोजित डब्ल्यूएचओ सहयोगी केंद्र (डब्ल्यूएचओ सीसी) निदेशकों की बैठक में मो.दे.रा.यो.सं. की भागीदारी इसके वैश्विक योगदान को उजागर करती है। यह सहभागिता न केवल मो.दे.रा.यो.सं. के सहयोगों को सुदृढ़ करती है, बल्कि विश्व के सामने भारत की समृद्ध पारंपरिक चिकित्सा और योग विरासत को भी प्रदर्शित करती है।

इन उपलब्धियों के अतिरिक्त, मो.दे.रा.यो.सं. नियमित रूप से राष्ट्रीय कार्यशालाओं का आयोजन करता है, जिनमें ज्ञानवर्धक सत्र शामिल होते हैं, जो छात्रों के ज्ञान को समृद्ध करने और उनके व्यक्तिगत विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित किए जाते हैं। इन सत्रों में प्रतिष्ठित विशेषज्ञ और विद्वान शामिल होते हैं, जो अपने अनुभव और विचार छात्र-छात्राओं से साझा करते हैं, जिससे उन्हें को सीखने का महत्वपूर्ण अवसर प्राप्त होता है।

भारत के एक प्रमुख योग संस्थान के रूप में, मो.दे.रा.यो.सं. ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव के अनुसार 21 दिसंबर को वैश्विक रूप से मनाए जाने वाले विश्व ध्यान दिवस का उत्सव भी मनाया। ऐसे उत्सव मो.दे.रा.यो.सं. की ध्यान और समग्र कल्याण को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं, जो इसके मिशन का अभिन्न हिस्सा हैं।

संक्षेप में कहे तो, मो.दे.रा.यो.सं. योग शिक्षा की अद्भुत शक्ति का एक प्रमाण है। यह न केवल व्यक्तित्व को आकार देता है, बल्कि स्वास्थ्य, कल्याण और पारंपरिक ज्ञान पर वैश्विक संवाद में भी योगदान देता है, जिससे यह एक अद्वितीय महत्व का संस्थान बन जाता है।



प्रधान संपादक

**डॉ. काशीनाथ समगंडी**

निदेशक, मो.दे.रा.यो.सं.



## From the Desk of Editor-in-Chief

### Editorial Team

#### Editor-in-Chief

**Dr. Kashinath Samagandi**  
Director, MDNIY

#### Managing Editor

**Md. Taiyab Alam**  
Communication &  
Documentation Officer,  
and Deputy Director (I/c)

#### Editor

**Saudamini Singh**  
Senior Consultant (Media)


**Santosh Singh**  
Consultant (Media)

**Shiwali Khari**  
Consultant (Social Media)


#### Design by

**Nihal Hasnain**  
Junior Consultant (Designer)

#### Catch the latest updates:

 @mdniyayush

 @mdniyyoga

 @mdniy

 @mdniyyoga

*Morarji Desai National Institute of Yoga (MDNIY) offers students the opportunity to grow both academically and spiritually through meaningful Yoga experiences. I firmly believe that an institute is more than just bricks, mortar, and concrete; it is about shaping character, enriching minds, and fostering experiences that leave a lasting impact.*

*MDNIY's mission is to establish a unique platform where learning transcends traditional boundaries. It aims to ignite a passion for knowledge, going beyond textbooks, rote instructions, and conventional horizons. This approach makes MDNIY a beacon for holistic education, deeply rooted in the ancient yet ever-relevant practice of Yoga.*

*Director MDNIY's participation in the WHO Collaborating Centre (WHO CC) Directors Meeting, a key event held alongside the World Conference on Traditional Medicine 2024 in Beijing, China, highlights its global engagement. This involvement not only strengthens MDNIY's collaborations but also showcases India's rich heritage of traditional medicine and Yoga to the world.*

*In addition to these accomplishments, MDNIY frequently organises national workshops, seminars, conferences and lectures featuring thought-provoking sessions aimed at enriching students' knowledge and fostering their personal development. These sessions bring together esteemed experts and luminaries who generously share their insights and experiences, providing students with invaluable learning opportunities.*

*MDNIY also celebrated World Meditation Day in alignment with the United Nations General Assembly's resolution declaring December 21, 2024 as a global observance. Such celebrations reflect MDNIY's commitment to promoting mindfulness and holistic well-being, which are integral to its mission.*

*MDNIY stands as a testament to the incredible power of Yoga education. It not only shapes individuals but also contributes to the global dialogue on health, wellness, and traditional knowledge, making it an Institution of significance.*



*Editor-in-Chief*  
**Dr. Kashinath Samagandi**  
Director, MDNIY

## मो.दे.रा.यो.सं. ने धूमधाम से मनाया पहला विश्व ध्यान दिवस

## MDNIY celebrates 1st World Meditation Day on 21st December with fervour



मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (मो.दे.रा.यो.सं.) ने 21 दिसंबर को पहला विश्व ध्यान दिवस भव्य रूप से मनाया। इस अवसर पर ध्यान और योग पर आधारित व्याख्यान और सत्रों की श्रृंखला का आयोजन किया गया।

संस्थान के निदेशक डॉ. काशीनाथ समगंडी ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, “ध्यान और योग मानसिक शांति और अस्वस्थ जीवनशैली में सुधार का सशक्त माध्यम हैं। ट्रान्सेंडेंटल मेडिटेशन से लेकर प्रेक्षा ध्यान और राज योग जैसे अनेक विकल्प मौजूद हैं, जो सभी आयु वर्ग के लिए उपयुक्त हैं। अगले वर्ष से इसे और भी व्यापक रूप से मनाने का हमारा लक्ष्य है, ताकि ध्यान को हर वर्ग तक पहुँचाया जा सके।”

Morarji Desai National Institute of Yoga (MDNIY) celebrated 1st World Meditation Day on 21st December with fervour, featuring a series of consecutive lectures and guided meditation sessions.

Dr. Kashinath Samagandi, Director, MDNIY, graced the occasion as the Chief Guest and stated, “Meditation and Yoga immensely help in managing the mind and rectifying unhealthy lifestyles. From Transcendental Meditation to Preksha Dhyana to Raj Yoga Meditation, there are various methods available, and people of all age groups can practise meditation.

दूसरे सत्र में, अध्यात्म साधना केंद्र के निदेशक के.सी. जैन ने कहा, “आत्मा हमारा सबसे बड़ा गुरु है। ध्यान के माध्यम से व्यक्ति आंतरिक स्व के साथ गहरा संबंध बना सकता है।” उन्होंने अपने शोध का उल्लेख करते हुए एक प्रभावशाली प्रदर्शन किया, जिसमें एक छात्र ने समर्पित ध्यान अभ्यास के जरिए आँखें बंद कर पुस्तक पढ़ने की अद्भुत क्षमता दिखाई। सत्र का समापन प्रतिभागियों के साथ एक संक्षिप्त ध्यान अभ्यास से हुआ।

In the second session, distinguished guest K.C. Jain, Director of Adhyatm Sadhana Kendra, elaborated on the significance of meditation, stating, “The soul is our greatest teacher. Through meditation, one can foster a deeper connection with the inner self and significantly enhance sensory perception.” Shri Jain also cited research on Dhyana and presented a demonstration, showcasing a student who could read text without visually referencing the book, a skill achieved through dedicated meditation practice. This session concluded with a brief meditation practice, in which all participants enthusiastically took part.





कार्यक्रम के तीसरे सत्र में हार्टफुलनेस संस्थान के श्रीनिवासन, संजय उप्रेती, और विनीता उप्रेती ने हिस्सा लिया। इस दौरान संजय उप्रेती ने कहा, "संतुलन की स्थिति में रहना ही योग है, और ध्यान वह माध्यम है जिससे व्यक्ति अपनी उच्चतम क्षमता को पहचान सकता है।" वहीं विनीता उप्रेती ने प्रतिभागियों को ध्यान सत्र का व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया।

Srinivasan, Sanjay Upreti, and Vinita Upreti from the Heartfulness Institute led the third session of the programme. During the session, Sanjay Upreti remarked, "Yoga is the state of being in balance, and meditation is the journey through which an individual can realise their highest potential. Through this practice, one attains peace, transforms their tendencies, and draws energy from the universe." Subsequently, Vinita Upreti led the participants in a meditation practice.

समापन सत्र में ब्रह्माकुमारीज की वरिष्ठ राज योग शिक्षिका सिस्टर बी.के. सपना ने कहा, "अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तरह प्रधानमंत्री जी की पहल ने विश्व ध्यान दिवस के उत्सव का मार्ग प्रशस्त किया है। यह हमारे लिए गर्व का क्षण है। आज की तनावपूर्ण दुनिया में अपने सच्चे स्वरूप, शुद्ध, शाश्वत और अविनाशी आत्मा को समझना वास्तविक ध्यान अभ्यास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।"



In the concluding session Sister B.K. Sapna, Senior Raj Yoga Teacher from Brahma Kumaris, noted that the Prime Minister's initiative for International Day of Yoga had paved the way for the celebration of World Meditation Day. She remarked, "It's a moment of great pride for us. In today's stressful world, understanding our true essence - pure, eternal, and indestructible souls - is crucial for a genuine Dhyana practice. Only then can we truly practise Dhyana."

योग चिकित्सक डॉ. विनय भारती ने ध्यान को आत्म-ज्ञान का माध्यम बताते हुए कहा, "ध्यान स्वाभाविक रूप से अनुकूल परिस्थितियों में होता है और व्यक्ति की आंतरिक ऊर्जा को जागृत करता है।" उन्होंने प्रतिभागियों के लिए एक ध्यान सत्र का आयोजन कराया।

इस आयोजन में संचार और प्रलेखन अधिकारी मो. तैयब आलम, कार्यक्रम अधिकारी आई.एन. आचार्य, और अन्य संकाय सदस्यों की उपस्थिति रही। 600 से अधिक योग प्रेमियों ने इस आयोजन में भाग लिया और विभिन्न ध्यान तकनीकों का अनुभव प्राप्त किया।

इस कार्यक्रम ने न केवल प्रतिभागियों को प्रेरित किया बल्कि ध्यान और योग के महत्व को भी नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया।

Dr. Vinay Bharti, Yoga Therapist, highlighted the power of meditation, saying, "Meditation is a medium to know oneself. When the circumstances are favourable, it happens naturally." Dr. Bharti also conducted a brief meditation session for the participants' benefit.

On this occasion, Md. Taiyab Alam, Communication and Documentation Officer and Deputy Director (I/c); I.N. Acharya, Programme Officer; and other faculty members and staff were present. The programme saw enthusiastic participation from over 600 Yoga enthusiasts.

Leading up to the main event on 21<sup>st</sup> December, the Institute organised a special 3-day Workshop on Meditation held from 19-21 December in which eminent Meditation experts shared their insights on different techniques of meditation. The event not only motivated the participants but also elevated the significance of meditation and Yoga to unprecedented levels.

## विश्व ध्यान दिवस के उपलक्ष्य में मो.दे.रा.यो.सं. ने विशेष व्याख्यान श्रृंखला का किया आयोजन

## MDNIY Hosts Special Lecture Series to Commemorate World Meditation Day



मो.दे.रा.यो.सं. ने विश्व ध्यान दिवस के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय (19-21 दिसंबर, 2024) व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया। पहले दिन, "ट्रांससेंडेंटल मेडिटेशन (टीएम)" पर एक सत्र आयोजित किया गया। इस अवसर पर मो.दे.रा.यो.सं. निदेशक डॉ. काशीनाथ समगंडी ने ध्यान के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत किए। महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (एमयूआईटी), नोएडा से डीन एवं सह आचार्य डॉ. मुदिता अग्रवाल और डिप्टी डीन एवं सहायक आचार्य गौरव ठाकुर ने विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

इन विशेषज्ञों ने ट्रांससेंडेंटल मेडिटेशन के लाभों पर अपने विचार साझा किए। यह एक प्रभावशाली अभ्यास था, जो तनाव कम करने, स्मरण शक्ति और रचनात्मकता बढ़ाने, मस्तिष्क की कार्यक्षमता सुधारने और व्यक्तिगत विकास को प्रोत्साहित करने में मदद करता है।

योग प्रशिक्षक अमृता शर्मा द्वारा आयोजित एक ध्यान सत्र ने प्रतिभागियों को ताजगी और प्रेरणा प्रदान की।

MDNIY organised 3-Day lecture series (Dec 19-21, 2024) in celebration of World Meditation Day. On the first day, a session on Transcendental Meditation (TM) was organised. On this occasion Dr. Kashinath Samagandi, Director, MDNIY gave valuable insights on the importance of meditation. Dr. Mudita Agarwal, Dean & Associate Professor, and Gaurav Thakur, Deputy Dean & Assistant Professor from Maharishi University of Information Technology (MUIT), Noida, graced the occasion as esteemed guests. These experts shared their views on the benefits of TM. Transcendental Meditation is a powerful practice that helps reduce stress, enhance memory and creativity, improve brain functionality, and foster personal growth. A guided meditation session was also organised by Yoga Instructor Amrita Sharma which left participants feeling refreshed and inspired.

On the second day, distinguished guest speaker Atul Chawla from Vishwas Meditation, delivered an insightful lecture on meditation techniques and their practical applications.





दूसरे दिन, विश्वास मेडिटेशन से आए विशिष्ट अतिथि वक्ता श्री अतुल चावला ने ध्यान तकनीकों और उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों पर एक प्रेरणादायक व्याख्यान दिया। सत्र में एक ध्यान अभ्यास भी शामिल था, जिसमें प्रतिभागियों ने तनाव प्रबंधन और आंतरिक शांति के लिए प्रभावी तरीकों को सीखा। मो.दे.रा.यो.सं. के छात्रों और कर्मचारियों ने इस व्यावहारिक सत्र में सक्रिय रूप से भाग लिया।

शाम के सत्र में, सहायक आचार्य (योग शिक्षा) डॉ. पवन कुमार ने ध्यान के लाभों और प्रभावों पर प्रकाश डाला। उन्होंने अपने व्याख्यान में स्थूल ध्यान और उसके अभ्यास के तरीकों पर चर्चा की। इसके बाद, सहायक आचार्य (योग शिक्षा) डॉ. इंदु शर्मा ने 'सोहम बीज मंत्र' या 'अजपा जप' पर आधारित एक विशेष ध्यान अभ्यास कराया। इस अभ्यास का उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों को जागरूक और सचेत बनाना था।

एक अन्य सत्र में, ब्रह्माकुमारीज़, नई दिल्ली की बहन रमा कुमारी ने आत्मा चेतना की अवधारणा पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने आत्मा के अंतर्निहित गुणों जैसे पवित्रता, शाश्वतता और अविनाशीता पर जोर दिया। उनकी प्रेरक चर्चा ने प्रतिभागियों को जागरूकता बढ़ाने, सकारात्मक मानसिकता विकसित करने और सशक्त सोच के माध्यम से अपने भाग्य को आकार देने के लिए प्रेरित किया।

The session included a guided meditation practice, where participants learned effective methods for stress management and inner peace. Students along with the staff of MDNIY participated in the practical session.

In the subsequent evening session Dr. Pawan Kumar, Assistant Acharya (Yoga Education) highlighted the benefits and effects of meditation. In his lecture, he discussed the importance of gross meditation and the method of its practice. Later, Dr. Indu Sharma, Assistant Professor (Yoga Education) conducted a special meditation exercise for the students and Yoga enthusiasts, which was based on 'Soham Beej Mantra' or 'Ajapa Japa'. The aim of this meditation was to make the trainees aware and conscious.



In another session Sister Rama Kumari from Brahma Kumaris New Delhi, elaborated on the concept of Soul Consciousness, highlighting the inherent attributes of the soul, including purity, eternity, and indestructibility. Her thought-provoking discussion encouraged participants to cultivate a positive mindset by fostering awareness and building robust neural pathways, thereby shaping their destiny through empowered thinking.

## सचिव, आयुष ने 10वें विश्व आयुर्वेद कांग्रेस में मो.दे.रा.यो.सं. स्टॉल का किया दौरा



आयुष सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने 10वें विश्व आयुर्वेद सम्मेलन एवं आरोग्य एक्सपो-2024 में मो.दे.रा.यो.सं. स्टॉल का दौरा किया।

हिम्स अस्पताल के संस्थापक आयुर्वेद गुरु मनीष जी ने देहरादून के परेड ग्राउंड में स्थित योग सुविधाओं का व्यापक दौरा कराया।

इस कार्यक्रम में मो.दे.रा.यो.सं. ने योग से संबंधित विभिन्न सेवाएं-वाई-ब्रेक, योग परामर्श और योग थेरेपी प्रदान कीं।

12 से 15 दिसंबर तक आयोजित इस एक्सपो में जबर्दस्त उत्साह देखने को मिला, जिसमें मो.दे.रा.यो.सं. की योग सुविधाओं ने बच्चों और स्वास्थ्य के प्रति उत्साही लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

### Secretary, Ayush Explores MDNIY Corner at 10<sup>th</sup> World Ayurveda Congress

Vaidya Rajesh Kotecha, Secretary, Ayush, visited the MDNIY corner at the 10<sup>th</sup> World Ayurveda Congress & Arogya Expo 2024 in Dehradun, Uttarakhand.

Ayurveda Guru Manish Ji, Founder of HIIMS Hospital, conducted a comprehensive tour of the Yoga facilities located at the Parade Ground in Dehradun.

In this event, MDNIY provided various Yoga related services - Y-Break, Yoga Consultancy and Yoga Therapy.

The expo, which was organised from 12<sup>th</sup> to 15<sup>th</sup> December, generated enthusiasm, with the MDNIY Yoga facilities drawing interest from children and wellness enthusiasts.

## मो.दे.रा.यो.सं. निदेशक ने चीन में उच्चस्तरीय डब्ल्यूएचओ सीसी निदेशक बैठक में की शिरकत

मो.दे.रा.यो.सं. निदेशक ने 3-4 दिसंबर, 2024 को बीजिंग, चीन में आयोजित वर्ल्ड कॉन्फ्रेंस ऑन ट्रेडिशनल मेडिसिन 2024 के दौरान डब्ल्यूएचओ कोलैबोरेंटिंग सेंटर (डब्ल्यूएचओसीसी) निदेशक बैठक में भाग लिया।

निदेशक ने मो.दे.रा.यो.सं. के डब्ल्यूएचओ सीसी का प्रतिनिधित्व किया और "सुरक्षित और प्रभावी पारंपरिक, पूरक और समग्र चिकित्सा (टीसीआईएम) को स्वास्थ्य सेवाओं में एकीकृत करना" विषय पर आयोजित पैनल चर्चा में अपने विचार साझा किए। इस कार्यक्रम में विभिन्न देशों से 28 डब्ल्यूएचओ-सीसी निदेशक एकत्रित हुए, जिन्होंने आधुनिक स्वास्थ्य देखभाल में पारंपरिक चिकित्सा की भूमिका पर एक सार्थक चर्चा की। यह समानांतर फोरम चाइना एकेडमी ऑफ चाइनीज़ मेडिकल साइंसेज एंड इंस्टीट्यूट ऑफ एक्यूपंकचर एंड मोक्सिबस्टन (सीएसीएमएस) द्वारा आयोजित किया गया था।

### MDNIY Director Participates in High-Level WHO CC Directors Meeting in China

Dr. Kashinath Samagandi, Director MDNIY participated in the WHO Collaborating Centre (WHO CC) Directors Meeting, a parallel event during the World Conference on Traditional Medicine 2024 held from December 3-4, 2024 in Beijing, China.

The Director represented the MDNIY's WHO CC and shared insights during the panel discussion on the theme "Integrating Safe and Effective Traditional, Complementary and Integrative Medicine (TCIM) into Healthcare Services". The event brought together 28 Directors of WHO-CC from various countries, facilitating a global dialogue on traditional medicine's role in contemporary healthcare. The parallel forum was organised by China Academy of Chinese Medical Sciences and the Institute of Acupuncture and Moxibustion (CACMS).





## मो.दे.रा.यो.सं. और दिल्ली पुलिस के बीच एमओयू

20 दिसंबर, 2024 को मो.दे.रा.यो.सं. के निदेशक डॉ. काशीनाथ समगंडी और दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

इस कार्यक्रम में विशेष पुलिस आयुक्त (प्रशिक्षण) दिल्ली पुलिस, छाया शर्मा; आईपीएस मोहम्मद अली, उप निदेशक; जॉनी एंटो, एसीपी (प्रशिक्षण) मुख्यालय और डॉ. आई. एन. आचार्य, कार्यक्रम अधिकारी, योग चिकित्सक, मो.दे.रा.यो.सं. की उपस्थिति देखी गई।

इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य पुलिस कर्मियों को व्यापक योग प्रशिक्षण प्रदान करना है, जिससे योगाभ्यास के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली और आत्म-जागरूकता को बढ़ावा दिया जा सके।



## MoU between MDNIY and Delhi Police

A Memorandum of Understanding (MoU) was signed on December 20, 2024 by Dr. Kashinath Samagandi, Director MDNIY and Sh. Sanjay Arora, Commissioner of Police, Delhi Police.

The event witnessed the presence of Ms Chhaya Sharma, Special Commissioner of Police (Training), Delhi Police; Mohd Ali, IPS, Deputy Director; Sh. Johnny Anto, ACP Trg PHQ and Dr. I. N. Acharya, Program Officer (YT), MDNIY.

The MoU aims to impart comprehensive Yoga training to Delhi Police personnel, promoting a healthy lifestyle and increased self-awareness through the practice of Yoga.

## सीएपीएफ जवानों का मो.दे.रा.यो.सं. में स्वच्छता अभियान



केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के बैच के अर्धसैनिक जवानों ने दिसंबर 13, 2024 को मो.दे.रा.यो.सं. परिसर और उसके आसपास व्यापक स्वच्छता अभियान का नेतृत्व कर स्वच्छ भारत मिशन के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता प्रदर्शित की।

इस पहल के माध्यम से अनुशासन, जागरूकता और सामूहिक प्रयास के महत्व को उजागर किया गया, जो व्यक्तिगत और सामाजिक स्तर पर समग्र कल्याण में वृद्धि करता है।

## CAPF students participate in Shatkarma Drive

Personnel of Central Armed Police Forces (CAPF) batch at MDNIY showcased their unwavering commitment to the Swachh Bharat mission by leading a cleanliness drive in and around the campus on December 13, 2024.

This initiative highlights the importance of discipline, awareness, and collective effort, which enhances overall well-being at both individual and societal levels.



## मो.दे.रा.यो.सं. ने व्यास भाष्य के साथ साधना पाद पर राष्ट्रीय कार्यशाला का किया आयोजन

## MDNIY organises National Workshop on Sadhana Pada with Vyasa Bhashya Commentary



मो.दे.रा.यो.सं. ने 9 से 14 दिसंबर 2024 तक पातंजल योग सूत्र के दूसरे अध्याय "साधना पाद" पर आधारित एक राष्ट्रीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को साधना पाद की प्राचीन शिक्षाओं को अपने दैनिक जीवन में शामिल करने के लिए प्रेरित करना था, जिससे वे एक संतुलित और सार्थक जीवन जी सकें।

कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रो. कृष्ण कांत शर्मा, पूर्व आचार्य, वैदिक दर्शन, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, ने किया। उन्होंने क्रिया योग के महत्व पर जोर देते हुए कहा, "अनुशासित कर्म, स्वाध्याय और समर्पण अष्टांग योग को अभ्यास में लाने की कुंजी हैं। ये चरण बाधाओं को पार करने और हमारे वास्तविक स्वरूप से जुड़ने में सहायक होते हैं, जो बाहरी शुद्धि से समाधि की स्थिरता तक का मार्ग प्रशस्त करते हैं।"

डॉ. काशीनाथ समगंडी, निदेशक, मो.दे. रा.यो.सं., ने साधना पाद की समकालीन प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा, "अष्टांग योग की सुंदरता इसकी व्यापक दृष्टिकोण में है। यह समग्र कल्याण प्राप्त करने के लिए एक संपूर्ण पैकेज प्रदान करता है, जो डब्ल्यूएचओ की स्वास्थ्य की परिभाषा के अनुरूप है, जिसमें पूर्ण शारीरिक, मानसिक और सामाजिक कल्याण की स्थिति है।"

आचार्य शिव शंकर मिश्रा, शोध और हिंदू अध्ययन विभागाध्यक्ष, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि व्यास भाष्य साधना पाद को एक "व्यावहारिक ढांचे" के रूप

MDNIY successfully conducted a National Workshop on Sadhana Pada, the second chapter of the Patanjala Yoga Sutras, explored through the insightful commentary of Vyasa Bhashya, from December 9-14, 2024.

The workshop was inaugurated by Chief Guest Prof. Krishna Kanta Sharma, Former Professor of Vaidik Darshan at Banaras Hindu University, who underscored the importance of Kriya Yoga, stating, "Disciplined action, self-study, and surrender are key to practicing the eight limbs of Yoga. These steps help overcome obstacles and connect with our true nature, leading from outer purification to the stillness of Samadhi."

Dr. Kashinath Samagandi, Director, MDNIY, highlighted the contemporary relevance of Sadhana Pada, noting that "Ashtanga Yoga's beauty lies in its comprehensive approach. It offers a holistic package for achieving overall wellness, aligning with WHO's definition of health as a state of complete physical, mental, and social well-being."

Adding to the insights, Prof. Shiv Shankar Mishra, Head of Research and Hindu Studies at Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University, remarked that Vyasa Bhashya presents Sadhana Pada as a "pragmatic framework, facilitating practitioners' progression from gross (Sthula) to subtle (Sukshma) realms, thereby cultivating mental and emotional fortitude."





में प्रस्तुत करता है, जो साधकों को स्थूल से सूक्ष्म क्षेत्रों की ओर बढ़ने में सहायता करता है, जिससे मानसिक और भावनात्मक दृढ़ता का विकास होता है।

उद्घाटन सत्र ने साधना पाद के एक सप्ताह तक चले कार्यक्रम की आधारशिला रखी। साधना पाद में 55 सूत्र शामिल हैं, जो ईश्वर या आत्मा के उच्चतम स्वरूप के साथ एकत्व की अवस्था तक पहुंचने के लिए आवश्यक आध्यात्मिक साधनों पर केंद्रित हैं।

कार्यशाला का समापन समारोह 14 दिसंबर 2024 को आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि प्रो. कृष्ण कांत शर्मा ने इस अवसर को फिर से गौरव प्रदान किया और प्रेरणादायक विचार साझा किए। उन्होंने जोर देकर कहा कि 'समापन' को अंत के रूप में नहीं, बल्कि सीखने की एक प्रेरक शुरुआत के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि सच्चे ज्ञान के लिए मौलिक सिद्धांतों की गहरी समझ, भाषाई बारीकियों और संदर्भगत व्याख्या की आवश्यकता होती है।

संचार एवं प्रलेखन अधिकारी और प्रभारी उप निदेशक मो. तैयब आलम ने अतिथियों और प्रतिभागियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस कार्यक्रम में डॉ. आई. एन. आचार्य, कार्यक्रम अधिकारी (योग चिकित्सा), और मुदित शर्मा, प्रशासनिक अधिकारी, वरिष्ठ अधिकारियों और संकाय सदस्यों की उपस्थिति भी दर्ज की गई।

डॉ. इंदु शर्मा, सहायक आचार्य (योग शिक्षा) ने पूरे कार्यशाला का समन्वयन किया। यह कार्यशाला साधना पाद के समाधि पाद (ज्ञान के अध्याय) पर केंद्रित थी, जो पिछले सत्र विभूति पाद की सफलता के बाद आयोजित की गई थी।

पांच दिवसीय कार्यशाला में मो.दे.रा.यो.सं के छात्रों सहित 160 से अधिक योग उत्साहियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

The inaugural session set the stage for a week-long programme on Sadhana Pada, which comprises of 55 sutras focusing on the spiritual practices necessary to reach a state of union with the divine or higher Self.

The workshop concluded with a Valedictory Function held on December 14, 2024 wherein Prof. Krishna Kanta Sharma offered thought-provoking insights. He emphasised that 'Samapan' (Closing) should not be viewed as an end, but rather as an inspiring beginning for continued learning. He further stressed that true learning requires a deep understanding of fundamental principles, linguistic nuances, and contextual interpretation.

Md Taiyab Alam, C&DO and Deputy Director(I/c), extended a warm welcome to the Expert and the audience. Dr. I. N. Acharya, Programme Officer (YT), Shri Mudit Sharma, Administrative Officer, Senior Officers and faculty members also participated.

The workshop aimed to encourage participants to integrate the ancient teachings of Sadhana Pada into their daily lives, fostering a balanced and meaningful existence.

Dr. Indu Sharma, Assistant Professor (Yoga Education) coordinated the overall workshop. This event marked the second edition of the workshop, following the success of the previous session, which focused on Samadhi Pada (the Chapter on Enlightenment).

More than 160 Yoga enthusiasts, including MDNIY students, actively participated in the five-day workshop.

## मो.दे.रा.यो.सं. ने 'भगवद्गीता का योग' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का किया आयोजन



मो.दे.रा.यो.सं. ने 11 दिसंबर 2024 को गीता जयंती के शुभ अवसर पर 'भगवद्गीता का योग' विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इस संगोष्ठी की अध्यक्षता मो.दे.रा.यो.सं. के निदेशक डॉ. काशीनाथ समगंडी ने की।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री श्री विश्वविद्यालय, कटक, ओडिशा के पूर्व कुलपति प्रो. बी. आर. शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही। साथ ही प्रतिष्ठित वक्ताओं में वाराणसी स्थित बीएचयू के एसवीडीवी संकाय के पूर्व आचार्य कृष्णकांत शर्मा; जेएनयू, नई दिल्ली के एसएसआईएस विभाग के आचार्य रामनाथ झा; महाराष्ट्र के रामटेक स्थित कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय के आचार्य मधुसूदन पेन्ना; मध्य प्रदेश के भोपाल स्थित आरएससी के पूर्व आचार्य डॉ. लक्ष्मीनारायण पांडे; और चेन्नई के केवाईएम के वरिष्ठ सलाहकार एवं योग चिकित्सक श्री एस. श्रीधरन शामिल थे। इन वक्ताओं ने अपने ज्ञानवर्धक व्याख्यानों में भगवद्गीता की गहन शिक्षाओं और योग के दर्शन एवं अभ्यास में इसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला।

संगोष्ठी में योग साधकों और प्रतिभागियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली, जिन्होंने वक्ताओं द्वारा साझा किए गए ज्ञान से महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्राप्त की।

इस कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. अर्पित कुमार दुबे, सहायक आचार्य, संस्कृत, द्वारा किया गया।

## MDNIY hosts National Seminar on 'The Yoga of the Bhagavad-Gita'

MDNIY organised a National Seminar on December 11, 2024 on the theme of 'The Yoga of the Bhagavad-Gita' on the auspicious occasion of Gita Jayanti. The seminar was presided over by Dr Kashinath Samagandi, Director, MDNIY.

The event witnessed the presence of Prof B.R. Sharma, Former Vice-Chancellor, Sri Sri University, Cuttack, Odisha, as the Chief Guest and eminent speakers such as Prof Krishna Kanta Sharma, Former Professor, Faculty of BHU, Varanasi; Prof Ramnath Jha, SSIS, JNU, New Delhi; Prof Madhusudan Penna, Kavikulaguru Kalidas Sanskrit University, Ramtek, Maharashtra; Dr. Laxmi Narayan Pandey, Former Acharya, RSC Bhopal, Madhya Pradesh; and Shri S. Sridharan, Senior Mentor and Yoga Therapist, KYM, Chennai. Their thought-provoking sessions explored the profound teachings of the Bhagavad-Gita and its significance in the philosophy and practice of Yoga.

The seminar witnessed enthusiastic participation from Yoga practitioners and enthusiasts, who gained valuable insights from the wisdom shared by the speakers.

The event was coordinated by Dr. Arpit Kumar Dubey, Assistant Professor, Sanskrit.



# MEDIA COVERAGE



**Hindustan Times**  
FIRST VOICE. LAST WORD.

15-12-2024

operations. Nathmal Dhoel, Managing Director of Rajasthan Prasaran Nigam Limited, informed that the 400 KV Grid Sub-Station at Pachpadra is a key project of the Rajasthan Government.

**MDNIY is conducting a National Workshop on Sadhana Pada, the second chapter of Patanjala Yoga Sutras with commentary by Vyasa Bhashya from December 9-14. The workshop encourages participants to integrate the ancient teachings into their daily lives for a balanced existence.**



**TIMES NOW नवभारत**

होम ताजा खबर देश शहर स्पॉट्स एजुकेशन बिजनेस अध्यापन एंटरटेनमेंट लाइफस्टाइल वायरल

**मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान में मनाया गया पहला विश्व ध्यान दिवस**

मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान में यतिगिर को पहला विश्व ध्यान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में 600 से अधिक योग उन्मादी लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

Edited by : विनय कुमार | Updated Dec 22, 2024, 09:42 IST

**World Meditation Day December 21**

मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (मो. दे. रा. यो. सं.) ने 21 दिसंबर को पहला विश्व ध्यान दिवस प्रस्तावित करने का ऐलान किया, जिसमें कई व्याख्यान और ध्यान सत्रों की श्रृंखला शामिल थी। मो. दे. रा. यो. सं. निदेशक डॉ. काशीनाथ सामगंडी ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शिरका की और अपने संबोधन में बताया कि ध्यान और योग मन को नियंत्रित करने और अस्वस्थ जीवनशैली को सुधारने में मददगार हैं। मोरारजी देसाई के ट्रान्सेंडेंटल मेडिटेशन से लेकर प्रेक्षा ध्यान और राज योग ध्यान तक, कई विधियां उपलब्ध हैं, और सभी आयु वर्ग के लोग ध्यान का अभ्यास कर सकते हैं। आगे साल से, हमारा लक्ष्य इस दिन को बड़े पैमाने पर मनाने का है, ताकि आम जनता को ध्यान को आसानी से पढ़ाया जा सके।



Download App  
RTV National Inform

**MDNIY celebrates 1st World Meditation Day on 21st December with fervour**

written by Rvenglish • December 22, 2024 • 51 views

New Delhi, 21 December: Morarji Desai National Institute of Yoga (MDNIY) celebrated 1st World Meditation Day on 21st December with fervour, featuring a series of consecutive lectures and guided meditation sessions. Dr. Kashinath Samagandi, Director, MDNIY, graced the occasion as the Chief Guest



वेबसाइट, वेबसाइट, वेबसाइट

**तया इंडिया**

मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान में मनाया गया पहला विश्व ध्यान दिवस

नई दिल्ली, संवाद सूत्र। मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (मो. दे. रा. यो. सं.) ने 21 दिसंबर को पहला विश्व ध्यान दिवस प्रस्तावित करने का ऐलान किया, जिसमें कई व्याख्यान और ध्यान सत्रों की श्रृंखला शामिल थी। मो. दे. रा. यो. सं. निदेशक डॉ. काशीनाथ सामगंडी ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शिरका की और अपने संबोधन में बताया कि ध्यान और योग मन को नियंत्रित करने और अस्वस्थ जीवनशैली को सुधारने में मददगार हैं। मोरारजी देसाई के ट्रान्सेंडेंटल मेडिटेशन से लेकर प्रेक्षा ध्यान और राज योग ध्यान तक, कई विधियां उपलब्ध हैं, और सभी आयु वर्ग के लोग ध्यान का अभ्यास कर सकते हैं। आगे साल से, हमारा लक्ष्य इस दिन को बड़े पैमाने पर मनाने का है, ताकि आम जनता को ध्यान को आसानी से पढ़ाया जा सके।



Published from New Delhi English Daily News paper

**HUMMER**

12-12-2024

**MDNIY highlights Sadhana Pada through the insightful commentary of Vyasa Bhashya**

HUMMER NEWS

NEW DELHI: MDNIY is conducting a National Workshop on Sadhana Pada, the second chapter of Patanjala Yoga Sutras with commentary by Vyasa Bhashya from December 9-14, 2024. The workshop aims to encourage participants to integrate the ancient teachings into their daily lives for a balanced and meaningful existence.

While inaugurating the workshop, the Chief Guest Prof. Krishna Kanta Sharma, Former Professor of Vaedik Darshan at Banaras Hindu University, highlighted the importance of Kriya Yoga, stating, "Disciplined action, Self-study, and Surrender are key to practicing the eight limbs of Yoga. These steps help overcome obstacles and connect with our true nature, leading from outer purification to the stillness of Samadhi."

Dr. Kashinath Samagandi, Director, MDNIY, while thrusting on the contemporary

relevance of Sadhana Pada said, "Ashtanga Yoga's beauty lies in its comprehensive approach. It offers a holistic package for achieving overall wellness aligning with WHO's definition of health as a state of complete physical, mental, and social well-being."

Prof. Shiv Shankar Mishra, Head of Research and Hindu Studies at Sri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University, remarked, "Vyasa Bhashya presents Sadhana Pada as a pragmatic framework, facilitating practitioners' progression from gross (Bhuta) to subtle (Sukshma) realms, thereby cultivating mental and emotional fortitude."

More than 160 Yoga enthusiasts including the students of MDNIY are participating in the workshop.

Dr. Indu Sharma, Assistant Professor (Yoga Education), MDNIY is coordinating for the workshop.

It will feature special lectures by Eminent experts of Patanjala Yoga Sutras. This event marks the second edition of the workshop, following the previous session focused on the Samadhi Pada (Chapter on Enlightenment). Sadhana Pada is comprised of 55 sutras. Sadhana means 'spiritual practice,' and this chapter focuses on the steps the yogi can take to reach a state of union with the divine or higher Self. This workshop offers practical guidance on the techniques and practices used to still the mind and achieve meditative absorption.



Published from New Delhi English Daily News paper

**HUMMER**

14-12-2024

**MDNIY celebrates 1st World Meditation Day on 21st December with fervour**

HUMMER NEWS

NEW DELHI: Morarji Desai National Institute of Yoga (MDNIY) celebrated 1st World Meditation Day on 21st December with fervour, featuring a series of consecutive lectures and guided meditation sessions. Dr. Kashinath Samagandi, Director, MDNIY, graced the occasion as the Chief Guest and stated, "Meditation and Yoga immensely help in managing the mind and rectifying unhealthy lifestyles. From Transcendental Meditation to Prekscha Dhyana to Raj Yoga Meditation, there are various methods available, and people of all age groups can practise meditation. From next year, we aim to celebrate this day on a grander scale to reach the masses."

In the second session, distinguished guest K.C. Jain, Director of Adhyatm Sadhana Kendra, elaborated on the significance of meditation, stating, "The soul is our greatest teacher. Through meditation, one can foster a deeper connection with the inner self and significantly enhance sensory perception." Sri Jain also cited research on Dhyana and presented an extraordinary demonstration, showcasing a student who could read text without visually referencing the book, a skill achieved through dedicated meditation practice. This session concluded with a brief meditation practice, in which all participants enthusiastically took part.

Further Sanjay Upreti from the Heartfulness Institute observed, "Being in a state of balance in Yoga, and meditation is the journey through which one can realise their highest potential. Through this practice, one attains peace, transforms their tendencies, and attracts energy from the cosmos."

In the concluding session Sister B.K. Sapna, Senior Raj Yoga Teacher from Brahma Kumaris, noted that the Prime Minister's initiative for International Day of Yoga had paved the way for the celebration of World Meditation Day.

**For MDNIY Programs & latest Yoga updates**

**Scan QR Code**

Facebook

(x) Twitter

Website

Instagram

YouTube

## मो.दे.रा.यो.सं. में 'योग के वैज्ञानिक दृष्टिकोण' पर ज्ञानवर्धक सत्र का आयोजन

## Thought-Provoking session on 'The Scientific Perspective of Yoga' held at MDNIY



मो.दे.रा.यो.सं. के प्रेक्षागृह में 17 दिसंबर को 'योग के वैज्ञानिक दृष्टिकोण' पर एक ज्ञानवर्धक सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें मुंबई के प्रख्यात डॉ. सतीश दत्तात्रयराव पाठक ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

सत्र में डॉ. पाठक ने आधुनिक जीवनशैली के कारण मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों और जीवनशैली से संबंधित बीमारियों पर गहन चर्चा की। उन्होंने इन बीमारियों की रोकथाम और प्रबंधन में यौगिक परंपराओं की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला और प्रतिभागियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के अध्यक्षीय संबोधन में मो.दे.रा. यो.सं. के निदेशक ने योग के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा, "योग केवल एक दर्शन नहीं है, बल्कि यह एक विज्ञान है, जो हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव डालता है।"

इस सत्र में मो.दे.रा.यो.सं. के अधिकारियों, कर्मचारियों और छात्रों ने भाग लिया

करीब 200 छात्र- छात्राओं और योग प्रेमियों ने इस सत्र में भाग लिया और इसे ज्ञानवर्धक अनुभव के रूप में सराहा।

A session on 'The Scientific Perspective of Yoga' was organised by MDNIY on December 17, 2024. The event featured Dr. Satish Dattatrayrao Pathak, a renowned expert from Mumbai, as the Chief Guest.

During the session, Dr. Pathak extensively discussed the adverse effects of modern lifestyles on human health and the resulting lifestyle-related diseases. He shed light on the role of yogic traditions in the prevention and management of such ailments and inspired participants to adopt a healthy lifestyle.

In his presidential address, the Director of MDNIY emphasised the significance of Yoga. He stated, "Yoga is not just a philosophy but a science that has a profound impact on our physical and mental well-being."

The session was attended by officers, staff and students of MDNIY

Approximately 200 students and Yoga enthusiasts participated in the session and appreciated it as an enriching experience.



## मो.दे.रा.यो.सं. ने जीजीएसआईपीयू के रजत जयंती समारोह में अपनी उपलब्धियों का किया प्रदर्शन

## MDNIY showcases achievements at GGSIPU Silver Jubilee Event



गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (जीजीएसआईपीयू), द्वारका के स्थापना दिवस ने विश्वविद्यालय की 25 वर्षों की गौरवशाली यात्रा का उत्सव मनाया, जो विकास और उत्कृष्टता का प्रतीक है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली के माननीय उपराज्यपाल और जीजीएसआईपीयू के कुलाधिपति श्री विनय कुमार सक्सेना ने समारोह की शोभा बढ़ाई। उन्होंने विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण ढांचागत परियोजनाओं का उद्घाटन किया, जिनमें एम्पीथिएटर, विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र, विश्वविद्यालय हब और गेस्ट हाउस शामिल हैं। इसके साथ ही उन्होंने एक सिल्वर जुबली सिक्का, दो पुस्तकें, पुनः डिज़ाइन किया गया 'लोगो' और विश्वविद्यालय का 'विज़न 2047' दस्तावेज़ भी जारी किया।

मो.दे.रा.यो.सं. ने जीजीएसआईपीयू के रजत जयंती समारोह के अवसर पर अपनी उपलब्धियों का प्रदर्शन किया।

गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (जीजीएसआईपीयू) के सिल्वर जुबली समारोह एवं स्थापना दिवस के दूसरे दिन, मो.दे.रा.यो.सं. टीम ने 'ए लेगेसी ऑफ योग' शीर्षक वाली कॉफी टेबल बुक विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. (डॉ.) महेश वर्मा, को भेंट की।

अपनी उत्कृष्ट योगदानों के लिए मो.दे.रा.यो.सं. को विशेष प्रमाण पत्र प्रदान किया गया, जिसने शैक्षणिक क्षेत्रों में योग और स्वास्थ्य के प्रचार के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

इस कार्यक्रम ने सभी संबद्ध संस्थानों को एक मंच पर एकत्रित किया, जिससे विश्वविद्यालय की अब तक की यात्रा को समझने और अनुभव करने का व्यापक अवसर मिला।

The Foundation Day marked 25 glorious years of Guru Gobind Singh Indraprastha University (GGSIPU) at Dwarka, celebrating a remarkable journey of growth and excellence.

Shri Vinai Kumar Saxena, Hon'ble Lieutenant Governor of Delhi and Chancellor of GGSIPU, graced the event as the Chief Guest. He inaugurated key university infrastructure, including the Amphitheatre, University Health Centre, University Hub, and Guest House. He also released a silver jubilee coin, two books, a redesigned logo, and the 'Vision 2047' document of the University.

MDNIY exhibited and showcased its achievements during GGSIPU's Silver Jubilee celebrations.

On the second day of Guru Gobind Singh Indraprastha University's (GGSIPU) Silver Jubilee Celebrations & Foundation Day, Team MDNIY presented a coffee table book titled 'A Legacy of Yoga' to Prof. (Dr.) Mahesh Verma, Vice Chancellor of the university.

In recognition of its outstanding contributions, MDNIY was awarded a special certificate, highlighting the Institute's commitment to promoting Yoga and wellness in academic circles.

The event brought all affiliated institutes under one roof, offering a comprehensive platform to explore the university's journey.